Weekly One Liners 13th to 19th April, 2026

सुप्रीम कोर्ट ने मतदान और चुनाव में भागीदारी के अधिकारों की कानूनी स्थिति स्पष्ट की

सर्वोच्च न्यायालय ने यह फैसला सुनाया है कि वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है, बल्कि ये वैधानिक अधिकार हैं और कानून द्वारा नियंत्रित होते हैं। यह फैसला 11 अप्रैल, 2026 को राजस्थान राज्य में सहकारी समिति चुनावों से जुड़े एक मामले के दौरान आया था। न्यायालय ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ये अधिकार केवल 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम' (Representation of the People Acts) जैसे कानूनों के दायरे में ही मौजूद हैं, और ये विभिन्न शर्तों, योग्यताओं और अयोग्यताओं के अधीन हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फ़ैसला क्या है?

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने उस पहले से तय कानूनी स्थिति को दोहराया है कि:

- वोट देने का अधिकार चुनावों में हिस्सा लेने का मौका देता है, लेकिन यह संविधान के तहत दिया गया मौलिक अधिकार नहीं है।
- चुनाव लड़ने का अधिकार एक अलग अधिकार है, और इसे अलग-अलग पात्रता शर्तों के ज़रिए सीमित किया जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी साफ़ किया है कि ये दोनों अधिकार पूरी तरह से वैधानिक अधिकार हैं; इसका मतलब है कि इन्हें संसद या राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के ज़रिए बनाया और नियंत्रित किया जाता है, और भारत के संविधान के भाग III (मौलिक अधिकार) के तहत इनकी कोई गारंटी नहीं दी गई है।

राजस्थान सहकारी समितियाँ मामले की पृष्ठभूमि

यह फ़ैसला राजस्थान में ज़िला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघों के चुनावों से जुड़े विवाद के संदर्भ में आया है। ये संघ 'राजस्थान सहकारी समितियाँ अधिनियम, 2001' के तहत संचालित होते हैं, जिसके अंतर्गत त्रि-स्तरीय व्यवस्था स्थापित की गई थी।

मामले के मुख्य मुद्दे

इस अधिनियम के तहत उम्मीदवारों की पात्रता के मानदंड निर्धारित करने के लिए कुछ उप-नियम बनाए गए थे, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- दूध की आपूर्ति के न्यूनतम दिनों की संख्या
- आपूर्ति किए गए दूध की मात्रा
- सोसाइटियों की परिचालन स्थिति
- और ऑडिट अनुपालन के मानक

इसके चलते, कुछ सहकारी समितियों ने राजस्थान हाई कोर्ट में इन नियमों को चुनौती दी और यह तर्क दिया कि ये नियम अनुचित थे और कानूनी प्रावधानों की सीमा से बाहर थे।

वर्ष 2015 में, एक एकल न्यायाधीश ने इन उप-नियमों को रद्द कर दिया था, और वर्ष 2022 में एक खंडपीठ ने पहले लिए गए उस निर्णय को बरकरार रखा।

हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के तर्क को पलट दिया और यह कहा कि ये उप-नियम केवल पात्रता की शर्तें निर्धारित करते हैं और कानूनी रूप से वैध हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने उप-नियमों को क्यों सही ठहराया?

सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया है कि ये उप-नियम अयोग्यता नहीं हैं, बल्कि ये केवल पात्रता को परिभाषित करते हैं और ये समानता जैसे संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं करते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि सहकारी समितियों के आंतरिक मामलों में अदालतों को तब तक दखल नहीं देना चाहिए, जब तक कि कोई स्पष्ट गैर-कानूनी काम न हुआ हो।

कोर्ट ने यह भी गौर किया कि संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत सहकारी समितियों को आम तौर पर 'राज्य' नहीं माना जाता है।

इसलिए, उनके आंतरिक चुनाव संबंधी मामले आमतौर पर अनुच्छेद 226 के तहत रिट अधिकार क्षेत्र के माध्यम से न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं।

चुनावी अधिकारों का वैधानिक स्वरूप

अदालत ने इस बात पर भी ज़ोर दिया है कि चुनावी अधिकार, जैसे कि इन कानूनों से मिलते हैं:

- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951

ये कानून यह तय करते हैं कि:

- कौन वोट दे सकता है (उम्र, नागरिकता, पंजीकरण के आधार पर)
- कौन चुनाव लड़ सकता है
- साथ ही, अयोग्यता के आधार भी (जैसे आपराधिक रिकॉर्ड, भ्रष्ट आचरण, आदि)

TIME100 2026: दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों और प्रमुख रुझानों की पूरी सूची

वैश्विक स्तर पर तकनीकी नवाचार और डिजिटल अर्थव्यवस्था का नेतृत्व कर रहे भारतीय दिग्गजों को टाइम ने अपने 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया है। प्रतिष्ठित 'टाइम 100: द वर्ल्ड्स मोस्ट इन्फ्लुएंशियल पीपल ऑफ 2026' सूची में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और यूट्यूब के प्रमुख नील मोहन को शामिल किया गया है। इनके साथ ही न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी, शेफ विकास खन्ना और अभिनेता रणबीर कपूर ने भी इस सूची में अपनी जगह बनाई है। यह सूची वैश्विक व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और नीति-निर्माण में बदलती ताकत को दिखाती है।

AI संचालित व्यापार का दबदबा कायम

तकनीकी क्षेत्र में एआई संचालित व्यापार का दबदबा कायम है। टाइम प्रोफाइल के अनुसार, 27 साल पुरानी कंपनी होने के बावजूद पिचाई के नेतृत्व में गूगल ने 'स्टार्टअप जैसी फुर्ती' दिखाई है। पिचाई ने 2015 से सीईओ के रूप में कार्य करते हुए एआई अनुसंधान को बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादों में तब्दील किया है।

- नवाचार: गूगल ने एआई स्टूडियो, नोटबुक एलएम, जेमिनी सीएलआई और एंटीग्रेविटी जैसे इनोवेटिव एआई उत्पाद लॉन्च किए हैं।
- वैश्विक प्रभाव: डीपलर्निंग.एआई के संस्थापक एंड्रयू एनजी के अनुसार, पिचाई के नेतृत्व में गूगल एक 'एआई डीप-टेक पावरहाउस' बना हुआ है, जो दुनिया भर में ज्ञान और सूचना प्रणाली को नया आकार दे रहा है।

Adda247 LIVE CLASSES

Online LIVE Classes for SSC, Banking, Railways and Other Govt Exams

Live & Recorded Classes

PDF Notes & Study Material

Mock Tests & Practice Questions

Doubt Solving Sessions

- **Expert Faculty** with Interactive Classes
- Full Exam Syllabus Coverage + Mock Tests
- Courses Available in Hindi, English & Regional Languages

Get Started Now

TIME100 लिस्ट क्या है?

TIME100 लिस्ट, TIME मैगज़ीन द्वारा हर साल दी जाने वाली एक पहचान है, जो दुनिया भर के सबसे प्रभावशाली लोगों को चुनती है। यह सिर्फ़ दौलत या शोहरत पर आधारित नहीं होती, बल्कि इसमें प्रभाव, नेतृत्व और भविष्य को आकार देने की क्षमता को भी शामिल किया जाता है।

इसमें आम तौर पर ये श्रेणियाँ शामिल होती हैं:

- लीडर्स
- इनोवेटर्स
- आर्टिस्ट्स
- टाइटेन्स
- आइकन्स
- पायनियर्स

TIME100 2026 की मुख्य बातें जो आपको पता होनी चाहिए

TIME100 लिस्ट दुनिया भर के अलग-अलग क्षेत्रों की प्रभावशाली हस्तियों को सम्मानित करने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है।

- इस लिस्ट में दुनिया भर के 100 सबसे प्रभावशाली लोग शामिल हैं।
- इसमें राजनीति, व्यापार, मनोरंजन, विज्ञान और सामाजिक कार्यों से जुड़े नेता भी शामिल होंगे।
- 2026 का यह संस्करण TIME100 लिस्ट का 23वां वार्षिक संस्करण है।

यह लिस्ट न सिर्फ़ लोकप्रियता को उजागर करती है, बल्कि वास्तविक दुनिया में पड़ने वाले असर और प्रभाव को भी पहचान देती है।

सूची में शामिल वैश्विक नेता और राजनीतिक हस्तियाँ

दुनिया के कई प्रमुख राजनीतिक नेताओं को इस सूची में जगह मिली है, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों और नीतियों को आकार देने में उनकी भूमिका को दर्शाती है।

इस सूची में शामिल कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं:

- शी चिनफिंग, जो 14वीं बार इस सूची में शामिल हुए हैं।
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप
- बेंजामिन नेतन्याहू
- क्लाउडिया शिनबॉम

TIME100 में मनोरंजन और सांस्कृतिक हस्तियाँ

यह सूची उन वैश्विक कलाकारों का भी सम्मान करती है जिन्होंने संस्कृति और समाज को प्रभावित किया है।

कुछ प्रमुख नामों में शामिल हैं:

- रणबीर कपूर
- डकोटा जॉनसन
- बेन स्टिलर

संगीत के क्षेत्र में:

- जेनी
- कोको जोन्स

इन हस्तियों ने वैश्विक पॉप संस्कृति को आकार दिया है और दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है।

TIME 100 – 2026 की खास बातों में भारतीय नामों की चमक

1. सुंदर पिचाई – वैश्विक टेक नेतृत्व

Google और Alphabet के CEO के तौर पर, सुंदर पिचाई टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को लगातार आकार दे रहे हैं। उनके नेतृत्व ने Google को इनोवेशन में सबसे आगे रखा है, जिससे वे लगातार एक वैश्विक प्रभावशाली व्यक्ति बने हुए हैं।

2. विकास खन्ना – वैश्विक मंच पर पाक-कला की उत्कृष्टता

वे एक जाने-माने शेफ़ हैं, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर भारतीय व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की है। उनका काम केवल भोजन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक कार्यों और सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व में भी योगदान देते हैं।

3. रणबीर कपूर – भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहुँच

रणबीर कपूर का इस सूची में शामिल होना भारतीय सिनेमा की बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता को दर्शाता है। वह 2026 की सूची में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता हैं, जो दुनिया भर में उनके प्रभाव और लोकप्रियता को प्रदर्शित करता है।

इस सूची में सबसे कम उम्र और सबसे ज़्यादा उम्र के इन्फ्लुएंसर

- 20 साल की उम्र में Alysa Liu इस सूची में शामिल हुईं।
- और 96 साल की उम्र में Dolores Huerta भी इस सूची का हिस्सा हैं।

उम्र का यह व्यापक दायरा दर्शाता है कि प्रभाव की कोई उम्र सीमा नहीं होती।

TIME100 2026 की पूरी सूची

श्रेणी नाम	सूचीबद्ध व्यक्ति
वैश्विक नेता और नीति-निर्माता	पोप लियो XIV मार्क कार्नी मेटे फ्रेडरिकसेन क्लाउडिया शीनबाम नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह झी जिनपिंग तारिक रहमान बेंजामिन नेतन्याहू राफेल मारियानो ग्रॉसी साने ताकाइची बालेन्द्र शाह हेन्ना विर्ककुनेन
अमेरिकी राजनीतिक और सार्वजनिक हस्तियाँ	डोनाल्ड ट्रम्प गैविन न्यूसम मार्को रूबियो मार्क केली ज़ोहरान ममदानी जैकब फ्रे स्टीव विटकॉफ़ सूज़ी वाइल्स डैन केन

श्रेणी नाम	सूचीबद्ध व्यक्ति
व्यापार, प्रौद्योगिकी और AI के अग्रणी	ग्वेने शॉटवेल दारियो अमोदेई डेनिएला अमोदेई सुन्दर पिचाई नील मोहन माइकल डेल सुसान डेल मिस्टरबीस्ट सी.सी. वी जेरेमी अल्लायर सारा फ्रायर जॉन फ़र्नर डेविड एलिसन जोश डी'अमारो अलिको डांगोटे लिप-बू टैन फातिह बिरौल
विज्ञान, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य	रीड वाइज़मैन टोनी टायसन किरण मुसुनुरु कीमती मात्सोसो मारी लूज़ कैनाक्विरी मुरयारी मारियांगेला हंगरिया रेबेका अहरेंस-निकलास लुसियानो मोरेरा ऐनी-क्लेयर एम्प्रोउ
समर्थक और बदलाव लाने वाले	शिरीन इबादी डोलोरेस ह्यूर्टा हीदर गेरकेन कीका माटोस शैनन मिन्टर लॉरेन हर्श मामादौ अमादौ ली ज़बीब मूसा लोरो राहेल फोस्टर सबरीना वाल्टर
मनोरंजनकर्ता (फ़िल्म, टीवी, मीडिया)	बेन स्टिलर बेनीसियो डेल टोरो ज़ोई सल्डाना ईथन हॉक केट हडसन डकोटा जॉनसन रणबीर कपूर

श्रेणी नाम	सूचीबद्ध व्यक्ति
	क्लेयर डेन्स कीकी पामर स्टरलिंग के. ब्राउन एलन कमिंग नोआ वाइल एंडरसन .पाक जोनाथन ग्रॉफ वैगनर मौरा रिया सीहॉर्न जाफ़र पनाही निक्की ग्लेज़र
संगीतकार	ल्यूक कॉम्ब्स कोको जोन्स जेनी हिलेरी डफ रॉब एलेजांद्रो नूह कहन
खिलाड़ी	स्कॉटी शेफ़लर क्लोई किम लैंडो नॉरिस नोआ लाइल्स हिलरी नाइट एलिसा लियू
फ़ैशन, कला, साहित्य और पाक-कला	राल्फ लॉरेन विक्टोरिया बेकहम मैथ्यू ब्लेज़ी अनोक याई नैन्सी सिल्वरटन विकास खन्ना माशामा बेली लिन्से एडारियो काओ फी तयारी जोन्स यियुन ली फ्रीडा मैकफैडेन वाल्टर हूड

महिला प्रतिनिधित्व को झटका: महिला आरक्षण विधेयक 2026 संवैधानिक बाधा पार करने में विफल

महिला आरक्षण विधेयक 2026 लोकसभा में अधिक समर्थन मिलने के बावजूद पारित नहीं हो सका। यह विधेयक संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित करने के उद्देश्य से लाया गया था, लेकिन यह संविधान द्वारा निर्धारित दो-तिहाई बहुमत की सख्त शर्त को पूरा नहीं कर पाया। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है और भारत में महिला प्रतिनिधित्व के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बहुमत समर्थन के बावजूद विधेयक विफल

संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा में दो दिन की तीखी बहस के बाद मतदान के लिए रखा गया। परिणाम कई पर्यवेक्षकों के लिए चौंकाने वाले रहे—

पक्ष में वोट: 298

विरोध में वोट: 230

आवश्यक वोट: 360 (कुल संख्या के आधार पर 2/3 बहुमत)

हालांकि विधेयक को विरोध से अधिक समर्थन मिला, फिर भी यह पारित नहीं हो सका क्योंकि संवैधानिक संशोधन के लिए साधारण बहुमत नहीं, बल्कि विशेष बहुमत आवश्यक होता है। यह एक दुर्लभ स्थिति है जब स्पष्ट समर्थन होने के बावजूद विधेयक पास नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि पिछले 12 वर्षों में यह पहला संवैधानिक संशोधन विधेयक है जो मोदी सरकार के दौरान लोकसभा में असफल रहा।

दो-तिहाई बहुमत क्यों बना निर्णायक कारक

भारत के संविधान के अनुसार किसी भी संवैधानिक संशोधन के लिए सख्त प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसमें शामिल हैं—

उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का कम से कम दो-तिहाई समर्थन

साथ ही सदन की कुल संख्या का कम से कम 50% समर्थन

लोकसभा की वर्तमान कुल सदस्य संख्या 543 है, इसलिए विधेयक को कम से कम 360 वोटों की आवश्यकता थी, जो इसे प्राप्त नहीं हो सके। यह नियम सुनिश्चित करता है कि बड़े संवैधानिक बदलाव व्यापक राजनीतिक सहमति से ही हों।

राजनीतिक मतभेद और परिसीमन (Delimitation) विवाद

विधेयक के असफल होने का एक प्रमुख कारण विपक्ष का एकजुट विरोध रहा। कई विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने पर आपत्ति जताई।

परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण। विपक्ष के अनुसार—

इससे दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है

क्षेत्रीय राजनीतिक संतुलन बदल सकता है

सरकार महिला आरक्षण के माध्यम से परिसीमन सुधार लागू करना चाहती है

यह मुद्दा असहमति का मुख्य कारण बना और सहमति बनने में बाधा उत्पन्न हुई।

सरकार बनाम विपक्ष: सीधा टकराव

इस विधेयक पर बहस के दौरान दोनों पक्षों ने कड़े रुख अपनाए—

प्रधानमंत्री **Narendra Modi** ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए सभी दलों से समर्थन की अपील की।

गृह मंत्री **Amit Shah** ने विपक्ष पर प्रगति रोकने का आरोप लगाया।

वहीं विपक्षी नेताओं ने कहा कि परिसीमन जैसे संरचनात्मक मुद्दों का समाधान पहले होना चाहिए।

अंतिम समय तक समर्थन जुटाने के प्रयासों के बावजूद राजनीतिक मतभेद दूर नहीं हो सके।

महिला आरक्षण की लंबी यात्रा

महिलाओं के लिए विधायिकाओं में आरक्षण का विचार नया नहीं है। यह पिछले चार दशकों से चर्चा में है और इसका उद्देश्य निर्णय-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है।

वर्तमान में संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इससे पहले भी ऐसे कई प्रयास राजनीतिक कारणों से सफल नहीं हो पाए। वैश्विक स्तर पर कई देशों ने लैंगिक कोटा अपनाकर महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाया है, जिससे भारत में हो रही देरी और अधिक ध्यान आकर्षित करती है।

National Affairs

- अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण 12 अप्रैल, 2026 को सिएटल के वेस्टलेक स्क्वायर में किया गया, जो भारत-अमेरिका के सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा स्थापित यह प्रतिमा सांस्कृतिक कूटनीति और 1893 के शिकागो सम्मेलन के बाद से विवेकानंद के वैश्विक प्रभाव को दर्शाती है। प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय दर्शन, प्रवासी भारतीयों के जुड़ाव और बहुसांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देता है।
- भारत ने 11 अप्रैल, 2026 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर पूरी तरह से डिजिटल टोल प्रणाली लागू कर दी है, जिसके तहत FASTag और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के माध्यम से भुगतान करना अनिवार्य है, जिससे नकद लेनदेन समाप्त हो गया है। इस कदम का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, यातायात की भीड़ कम करना और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। हालाँकि, चुनावों और आदर्श आचार संहिता के कारण कुछ राज्यों में इसका कार्यान्वयन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है, जो स्मार्ट परिवहन बुनियादी ढांचे की दिशा में भारत के प्रयासों को दर्शाता है।
- संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 में लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने के लिए बड़े सुधारों का प्रस्ताव है, जिससे प्रतिनिधित्व में सुधार होगा। यह अनुच्छेद 82 के तहत 2026 की जनगणना के बाद की पाबंदी को हटाकर समय से पहले परिसीमन की अनुमति देता है, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्वितरण तेज़ी से हो सकेगा। यह कदम संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम 2023 को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं के लिए 33% आरक्षण की प्रक्रिया को भी तेज़ करता है। कुल मिलाकर, इस सुधार का उद्देश्य भारत की राजनीतिक संरचना को आधुनिक बनाना, समावेशिता को बढ़ाना और प्रतिनिधित्व को जनसंख्या वृद्धि के अनुरूप बनाना है।
- नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया, जिससे दिल्ली और देहरादून के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। यह परियोजना यात्रा के समय और लागत को कम करती है, जिससे पर्यटन, व्यापार और रोज़गार को बढ़ावा मिलता है। यह हरिद्वार और मसूरी जैसे प्रमुख स्थलों तक पहुँच को बेहतर बनाती है, साथ ही स्थानीय व्यवसायों और लॉजिस्टिक्स को भी सहयोग देती है। इसमें 12 किलोमीटर लंबा वन्यजीव गलियारा भी शामिल है, जो विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाता है। कुल मिलाकर, यह पहल बुनियादी ढाँचे के विकास और क्षेत्रीय आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- भारत सरकार ने डीप-टेक, इनोवेटिव मैन्युफैक्चरिंग और शुरुआती दौर के स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए ₹10,000 करोड़ के कोष के साथ 'स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0' लॉन्च किया है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के तहत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) द्वारा प्रबंधित, यह फंड 'वैकल्पिक निवेश फंड' (AIFs) के माध्यम से निवेश करता है। इसका उद्देश्य पूंजी तक पहुंच, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ाना है; साथ ही यह AI, रोबोटिक्स और बायोटेक जैसे क्षेत्रों को समर्थन देकर भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम और आर्थिक विकास को मजबूत करता है।

- नरेंद्र मोदी ने 15 अप्रैल, 2026 को श्री आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ में 'श्री गुरु भैरवैय मंदिर' का उद्घाटन किया, और इस अवसर पर भारत की आध्यात्मिक विरासत तथा सांस्कृतिक परंपराओं पर प्रकाश डाला। कर्नाटक की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने प्रमुख मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की और बालागंगाधरनाथ महास्वामीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में सेवा, ज्ञान और सामाजिक विकास के मूल्यों पर जोर दिया गया, और राष्ट्र-निर्माण तथा सामुदायिक कल्याण में आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका को प्रदर्शित किया गया।
- हरिवंश नारायण सिंह 17 अप्रैल, 2026 को लगातार तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति के रूप में निर्विरोध चुने गए, और उन्होंने इतिहास रच दिया। वे इस पद को संभालने वाले पहले मनोनीत सदस्य बने, जो विभिन्न दलों के बीच मज़बूत आम सहमति को दर्शाता है। जे. पी. नड्डा और नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं द्वारा समर्थित उनका यह पुनर्चयन, सदन की कार्यवाही के संचालन में उनकी निष्पक्षता, अनुभव और संसदीय नेतृत्व को उजागर करता है।
- भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 55,200 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी है—जो 'स्टार्टअप इंडिया पहल' के तहत अब तक की सबसे बड़ी संख्या है—और यह देश में मज़बूत नवाचार और उद्यमशीलता के विकास को दर्शाता है। 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की कुल संख्या 2.23 लाख के पार पहुँच गई है, जिससे 23.36 लाख से अधिक रोज़गार के अवसर पैदा हुए हैं। 'फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स' (FFS), 'स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम' (SISFS), और 'क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स' (CGSS) जैसी सरकारी योजनाओं ने फंडिंग और पहुँच को बढ़ावा दिया है। यह विकास भारत के लगातार विस्तार पाते स्टार्टअप इकोसिस्टम, बढ़ते निवेश समर्थन, और आर्थिक विकास तथा रोज़गार सृजन को गति देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।
- अहमदाबाद में कांकरिया कोचिंग डिपो भारत का पहला 'वॉटर न्यूट्रल' रेलवे डिपो बन गया है। यह एडवांस्ड रीयूज़ सिस्टम के ज़रिए रोज़ाना लगभग 1.60 लाख लीटर पानी बचाता है। फाइटोरेमेडिएशन और मल्टी-स्टेज ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करके, ऑपरेशन से निकलने वाले वेस्टवॉटर को प्राकृतिक रूप से शुद्ध, फ़िल्टर और दोबारा इस्तेमाल लायक बनाया जाता है, जिससे ताज़े पानी पर निर्भरता कम होती है। इस पहल से सालाना लगभग 5.84 करोड़ लीटर पानी की बचत होती है, जिससे सस्टेनेबिलिटी और लागत में कमी को बढ़ावा मिलता है। यह पर्यावरण के अनुकूल रेलवे ऑपरेशन के लिए एक मिसाल कायम करता है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर को पर्यावरण संरक्षण और संसाधन प्रबंधन के लक्ष्यों के साथ जोड़ता है।

States in the News

- कर्नाटक पोस्टल सर्कल ने बेंगलुरु में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और उसके मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी किए। ये डाक टिकट आर्यभट्ट (1975) से लेकर आने वाले गगनयान तक भारत की यात्रा को दर्शाते हैं, जो देश की वैज्ञानिक प्रगति को दिखाता है। इस मिशन का उद्देश्य गगनयात्रियों को कक्षा में भेजना है, जबकि 2028 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना भारत की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं को दर्शाती है, जिससे भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं और वैश्विक स्थिति को मजबूती मिलेगी।
- नीतीश कुमार ने 14 अप्रैल, 2026 को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया; इसके साथ ही उनका दो दशकों से चला आ रहा कार्यकाल समाप्त हो गया और यह एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत बना। सम्राट चौधरी नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं, और इसके साथ ही वे राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री बन जाएँगे। नीतीश कुमार का कार्यकाल बुनियादी ढाँचे के विकास, शासन सुधारों और सामाजिक कल्याण की पहलों के लिए जाना जाता था। उनका जाना एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत का संकेत है, जबकि उनकी विरासत बिहार के विकास की दिशा को लगातार प्रभावित करती रहेगी।
- सम्राट चौधरी ने बिहार के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली; यह पहली बार है जब भारतीय जनता पार्टी राज्य में इस सर्वोच्च पद पर काबिज़ हुई है। पटना में आयोजित यह शपथ ग्रहण समारोह नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद हुआ, जिसके साथ ही उनके लंबे कार्यकाल का अंत हो गया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के समर्थन से बनी यह नई सरकार एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत है, जिसका मुख्य ज़ोर सुशासन की निरंतरता और गठबंधन की स्थिरता बनाए रखने पर है।
- कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह सभी क्षेत्रों—जिनमें असंगठित क्षेत्र के कामगार भी शामिल हैं—में 'मासिक धर्म अवकाश नीति' (Menstrual Leave Policy) लागू करे; न्यायालय ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक 'मौलिक अधिकार' के रूप में मान्यता दी है। न्यायालय ने गरिमा, समानता और मानवीय कार्य-स्थितियों पर विशेष ज़ोर देते हुए कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए मासिक धर्म के दौरान मिलने वाला सहयोग अत्यंत आवश्यक है। यह ऐतिहासिक फैसला कार्यस्थलों पर लैंगिक-संवेदनशील सुधारों को मज़बूती प्रदान करता है, व्यापक समावेश सुनिश्चित करता है, और प्रस्तावित नीति के कानून का रूप लेने तक इसके एकसमान क्रियान्वयन पर ज़ोर देता है; इस प्रकार, यह भारत में महिलाओं के कल्याण और संवैधानिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।
- विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) को लागू करने का ढांचा तैयार करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति को मंज़ूरी दे दी है। यह समिति एक रोडमैप पेश करने से पहले कानूनी, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करेगी। संविधान के अनुच्छेद 44 पर आधारित, UCC का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए एक समान व्यक्तिगत कानून बनाना है। इस कदम से छत्तीसगढ़ उन राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है जो कानूनी एकरूपता और समानता सुधारों की दिशा में काम कर रहे हैं; यह भारत में एक साझा नागरिक कानून प्रणाली की ओर धीरे-धीरे हो रहे नीतिगत बदलाव का संकेत है।
- मेघालय राज्य ने आधिकारिक तौर पर खासी और गारो भाषाओं को अंग्रेज़ी के साथ-साथ राज्य भाषाओं के रूप में मान्यता दे दी है। यह कदम स्थानीय पहचान को संरक्षित करने और शासन की पहुँच को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 'मेघालय राजभाषा अध्यादेश, 2026' के तहत मंज़ूर किए गए इस कदम से इन भाषाओं का उपयोग प्रशासन, विधानसभा की कार्यवाही और भर्ती प्रक्रियाओं में किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री कोनराड संगमा द्वारा घोषित यह निर्णय सांस्कृतिक समावेशन और भाषाई विविधता पर बढ़ते ज़ोर को दर्शाता है। यह संविधान की आठवीं अनुसूची में खासी और गारो भाषाओं को शामिल करने की मांग को भी मज़बूत करता है, जिससे उन्हें अधिक मान्यता और विकास संबंधी सहायता सुनिश्चित हो सकेगी।

- पंजाब विधानसभा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा घोषित 'अपमान-विरोधी विधेयक 2026' (Anti-Sacrilege Bill 2026) को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है, और इसे मंज़ूरी के लिए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के पास भेज दिया है। यह विधेयक विशेष रूप से गुरु ग्रंथ साहिब से जुड़े अपराधों के लिए कड़ी सज़ाओं का प्रस्ताव करता है, जिसमें आजीवन कारावास और ₹25 लाख तक का जुर्माना शामिल है। इसका उद्देश्य मौजूदा कानूनों को मज़बूत करना, धार्मिक अपमान के प्रति 'बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने' (zero tolerance) की नीति सुनिश्चित करना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। एक बार जब राज्यपाल इस पर अपनी सहमति दे देंगे, तो यह कानून राज्य में लागू हो जाएगा।
- बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (BWSSB) ऊर्जा प्रबंधन के लिए ISO 50001:2018 सर्टिफिकेशन हासिल करने वाला भारत का पहला जल उपयोगिता (water utility) बन गया है। ब्यूरो वेरिटास द्वारा जारी यह सर्टिफिकेशन TK हल्ली, हारोहल्ली और तातागुनी जैसे प्रमुख पंपिंग स्टेशनों पर कुशल संचालन को मान्यता देता है। यह सर्टिफिकेशन ऊर्जा दक्षता, लागत में कमी और कार्बन उत्सर्जन को कम करने को बढ़ावा देता है। यह उपलब्धि बेंगलुरु के टिकाऊ बुनियादी ढांचे पर दिए जा रहे ज़ोर को उजागर करती है और पूरे भारत में अन्य शहरी उपयोगिताओं के लिए एक मज़बूत मिसाल कायम करती है।

International Affairs

- इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई शांति वार्ता बिना किसी समझौते के टूट गई, जिससे मध्य-पूर्व में तनाव और बढ़ गया है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुई यह वार्ता, ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन अधिकारों और आपसी अविश्वास को लेकर हुए विवादों के कारण विफल रही। इस वार्ता के टूटने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि इस जलडमरूमध्य से ही तेल का एक बड़ा हिस्सा गुज़रता है। बढ़ते सैन्य जोखिम और वैश्विक चिंताएँ इस क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता को उजागर करती हैं; ऐसे में विभिन्न देश तनाव कम करने और नए सिरे से कूटनीतिक प्रयास शुरू करने का आग्रह कर रहे हैं।
- हंगरी की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला, जहाँ 16 वर्षों के बाद विक्टर ओर्बन को सत्ता से हटा दिया गया। पीटर मग्यार के नेतृत्व में 'तिस्ज़ा पार्टी' ने 2026 के चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। मतदाताओं ने भ्रष्टाचार-विरोधी सुधारों और यूरोपीय संघ (EU) के साथ घनिष्ठ संबंधों के वादों का समर्थन किया। यह चुनावी परिणाम रूस-यूक्रेन संबंधों को लेकर संभावित नीतिगत बदलावों का संकेत देता है, जिससे यूरोपीय एकता को मज़बूती मिलेगी और हंगरी की राजनीतिक व भू-राजनीतिक दिशा को एक नया स्वरूप प्राप्त होगा।
- इज़राइल ने 13 अप्रैल, 2026 को रोमन गोफमैन को मोसाद का नया प्रमुख नियुक्त किया; वे 2 जुलाई से डेविड बार्निया की जगह लेंगे। बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा नियुक्त गोफमैन की यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब मध्य पूर्व में सुरक्षा चुनौतियाँ बढ़ रही हैं, जिनमें गाज़ा में तनाव और खुफिया खतरे शामिल हैं। उनका सैन्य अनुभव और रणनीतिक भूमिका राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया अभियानों को मज़बूत करने पर इज़राइल के विशेष ज़ोर को दर्शाती है।
- ऑस्ट्रेलिया ने अप्रैल 2026 में घोषणा करते हुए सुसान कॉयल को अपनी पहली महिला सेना प्रमुख नियुक्त किया; वे जुलाई से अपना कार्यभार संभालेंगी। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल की एक वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, उनके पास दशकों का सैन्य अनुभव है। यह कदम लैंगिक समानता और समावेशी नेतृत्व की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो प्रतिनिधित्व से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का समाधान करता है। एंथनी अल्बानीज़ के समर्थन से उठाया गया यह कदम, सेना के आधुनिकीकरण और रक्षा बलों में महिलाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को दर्शाता है।
- डोनाल्ड ट्रंप ने "आर्क डी ट्रंप" की योजनाओं का अनावरण किया। यह वाशिंगटन, D.C. में प्रस्तावित 250 फुट का एक स्मारक है, जो "आर्क डी ट्रायम्फ" से प्रेरित है। सोने की सजावट और प्रतीकात्मक तत्वों के साथ डिज़ाइन किए गए इस स्मारक का उद्देश्य अमेरिकी नायकों और राष्ट्रीय गौरव का सम्मान करना है। यह परियोजना "कमीशन ऑफ़ फ़ाइन आर्ट्स" जैसे अधिकारियों से मंज़ूरी का इंतज़ार कर रही है, और इसकी लागत, शहरी नियोजन तथा विरासत से जुड़ी चिंताओं को लेकर इस पर बहस चल रही है, जिससे इसका भविष्य अनिश्चित हो गया है।
- वित्त वर्ष 2025-26 में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ दिया; इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 151.1 अरब डॉलर तक पहुँच गया। हालाँकि, चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 112 अरब डॉलर से भी ज़्यादा हो गया, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी के भारी आयात को दर्शाता है। इसके विपरीत, भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष बनाए रखा। यह बदलाव वैश्विक व्यापार की बदलती गतिशीलता और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद बढ़ते आर्थिक संबंधों को उजागर करता है।
- भारत और न्यूज़ीलैंड 27 अप्रैल, 2026 को एक मुक्त व्यापार समझौता (FTA) पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसका मकसद व्यापार, निर्यात और निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते से अगले 15 सालों में $20 अरब का निवेश आने और कपड़ा और दवा जैसे क्षेत्रों में बाज़ार तक पहुँच बेहतर होने की उम्मीद है। यह भारतीय पेशेवरों के लिए काम के अवसर भी देता है और दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करके $5 अरब तक पहुँचा सकता है। कुल मिलाकर, यह FTA आर्थिक संबंधों और हिंद-प्रशांत सहयोग को मज़बूत करता है।
- Keir Starmer और Emmanuel Macron ने दुनिया के अहम शिपिंग रास्तों को सुरक्षित करने के लिए 'Strait of Hormuz Maritime Freedom of Navigation Initiative' शुरू की है। इस वर्चुअल मीटिंग में भारत समेत करीब 40 देशों ने हिस्सा लिया। इसका मकसद मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना, ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं की रक्षा करना और समुद्री सुरक्षा बनाए रखना है। Strait of Hormuz दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत अहम है, और इसमें किसी भी रुकावट से ऊर्जा की कीमतों में भारी उछाल, आपूर्ति श्रृंखला में दिक्कतें और दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता पैदा हो सकती है।

Banking/Economy/Business News

- विश्व बैंक ने अमरावती के पहले चरण (Phase-I) के लिए $340 मिलियन जारी किए हैं, और अतिरिक्त फंड मिलने की भी उम्मीद है; यह आंध्र प्रदेश की राजधानी शहर के विकास में सहायता करेगा। एशियाई विकास बैंक द्वारा समर्थित, यह प्रोजेक्ट एक परिणाम-आधारित फंडिंग मॉडल (AIUDP) का पालन करता है, जो जवाबदेही और कार्यकुशलता सुनिश्चित करता है। यह शहरी बुनियादी ढांचे, बाढ़ प्रबंधन और रोज़गार सृजन पर केंद्रित है, जो भारत के सतत शहरी विकास और शासन सुधारों के लिए मज़बूत वैश्विक समर्थन को दर्शाता है।
- पीयूष गोयल द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में पेटेंट फाइलिंग में 30.2% की वृद्धि दर्ज की, जिससे यह आंकड़ा 1,43,729 तक पहुँच गया; यह एक ऐतिहासिक उच्च स्तर है। यह वृद्धि नवाचार और बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPR) की दिशा में एक मज़बूत प्रयास को दर्शाती है, जिसमें 69% घरेलू फाइलिंग "भारत में आविष्कार" (Invented in India) का संकेत देती हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत नीतिगत सुधारों द्वारा समर्थित, भारत अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में निरंतर वृद्धि के साथ एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में उभर रहा है।
- नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 में भारत की खुदरा महंगाई दर फरवरी के 3.21% से बढ़कर 3.4% हो गई। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) के ज़रिए मापी गई इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाद्य महंगाई (3.87%) थी, जिसमें सब्जियों और दूसरी चीज़ों की बढ़ती कीमतें शामिल हैं। पश्चिम एशिया में तनाव जैसे वैश्विक कारकों का भी सप्लाई चेन पर असर पड़ा। इस बढ़ोतरी के बावजूद, महंगाई दर भारतीय रिज़र्व बैंक के तय दायरे में ही बनी हुई है, जो कीमतों में मध्यम स्थिरता और आर्थिक हालात के काबू में होने का संकेत देता है।
- PPFAS एसेट मैनेजमेंट को पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी से नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत फंड मैनेज करने की मंज़ूरी मिल गई है। इसके साथ ही, कंपनी ने भारत के रिटायरमेंट निवेश क्षेत्र में कदम रख दिया है। यह कंपनी पेंशन योजनाएं शुरू करेगी और एक अनुशासित निवेश रणनीति के साथ लंबी अवधि की बचत का प्रबंधन करेगी। टैक्स में मिलने वाले फायदों और बाज़ार से जुड़े रिटर्न की वजह से NPS की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में, यह कदम इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, पारदर्शिता और निवेशकों के लिए विकल्पों को बढ़ावा देगा, जिससे भारत का बढ़ता हुआ पेंशन इकोसिस्टम और भी मज़बूत होगा।
- नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस और PLFS डेटा के अनुसार, मार्च 2026 में भारत की बेरोज़गारी दर बढ़कर 5.1% हो गई, जो पाँच महीनों में सबसे ज़्यादा है। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह शहरी बेरोज़गारी (6.8%) थी, जबकि ग्रामीण बेरोज़गारी थोड़ी बढ़कर 4.3% हो गई। पुरुषों और महिलाओं, दोनों में बेरोज़गारी बढ़ी है, जो जॉब मार्केट में व्यापक तनाव का संकेत है। लेबर फ़ोर्स पार्टिसिपेशन रेट (55.4%) और वर्कर पॉपुलेशन रेश्यो (52.6%) जैसे मुख्य संकेतक गिरे हैं, जो अर्थव्यवस्था में वर्कफ़ोर्स की भागीदारी में कमी और रोज़गार सृजन की धीमी गति को दर्शाते हैं।
- टाटा सेमीकंडक्टर मैन्युफ़ैक्चरिंग को धोलेरा में एक स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (SEZ) के लिए मंज़ूरी मिल गई है, जिसमें ₹91,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत की पहली चिप फ़ैब्रिकेशन यूनिट स्थापित करना है, जिससे घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। वाणिज्य विभाग द्वारा मंज़ूर की गई यह पहल रोज़गार पैदा करेगी, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफ़ैक्चरिंग को मज़बूत करेगी, और भारत को अपनी आत्मनिर्भरता की रणनीति के तहत एक वैश्विक सेमीकंडक्टर हब के रूप में स्थापित करेगी।
- ITC Limited भारत की पहली ऐसी कंपनी बन गई है, जिसे Sustainable Agriculture Initiative Platform द्वारा गेहूं और धान के लिए Farm Sustainability Assessment (FSA) 3.0 सर्टिफिकेशन दिया गया है। यह उपलब्धि टिकाऊ खेती के तरीकों, पता लगाने योग्य सोर्सिंग और किसानों के सशक्तिकरण को दर्शाती है, जिसमें कई राज्यों के हज़ारों किसान शामिल हैं। यह पहल फसलों की पैदावार, आय और पर्यावरणीय स्थिरता को बेहतर बनाती है, जिससे वैश्विक कृषि बाज़ारों में भारत की स्थिति मज़बूत होती है और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ज़िम्मेदार कृषि को बढ़ावा मिलता है।
- भारत 2040 तक कोको उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक दीर्घकालिक 'कोको मिशन' की योजना बना रहा है, जिससे सालाना $866 मिलियन से अधिक के भारी आयात में कमी आएगी। Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry द्वारा Grant Thornton Bharat के सहयोग से तैयार किया गया यह रोडमैप घरेलू उत्पादन, किसानों की आय और कृषि-अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इसमें 'कोको पर एक राष्ट्रीय मिशन', R&D सहायता और डिजिटल ट्रेसिबिलिटी का प्रस्ताव है। चॉकलेट उद्योग से बढ़ती मांग को देखते हुए, इस योजना का उद्देश्य भारत को एक आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी कोको उत्पादक बनाना है।
- भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने 15 अप्रैल, 2026 को दो मोबाइल ऐप लॉन्च किए—ग्राहकों के लिए 'MyLIC' और एजेंटों के लिए 'Super Sales Saathi'—जिससे डिजिटल बीमा सेवाओं को बढ़ावा मिला। ये ऐप पॉलिसी मैनेजमेंट, प्रीमियम भुगतान, e-KYC और पेपरलेस सेवाओं की सुविधा देते हैं, साथ ही एजेंटों को AI-आधारित टूल्स और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग की सुविधा देकर उन्हें सशक्त बनाते हैं। DIVE प्लेटफॉर्म पर बनी यह पहल कार्यक्षमता, पहुंच और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाती है, जो भारत के टेक्नोलॉजी-आधारित और समावेशी वित्तीय सेवाओं की ओर बढ़ते कदम को दर्शाती है।
- बैंक ऑफ बड़ौदा ने Reliance Jio के साथ साझेदारी करके JioPhone डिवाइस पर "bob World Lite" लॉन्च किया, जिससे फीचर फोन इस्तेमाल करने वाले लोग भी मोबाइल बैंकिंग का लाभ उठा सकेंगे। यह ऐप एक आसान इंटरफेस और कम डेटा खपत के साथ UPI भुगतान, पैसे ट्रांसफर करने, बिल भुगतान और रिचार्ज जैसी सुविधाएं देता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के विज़न को समर्थन देते हुए, यह पहल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है, फिजिकल ब्रांच पर निर्भरता कम करती है, और भारत के बैंकिंग इकोसिस्टम में मौजूद डिजिटल खाई को पाटने का काम करती है।

Adda247 LIVE CLASSES

Online LIVE Classes for SSC, Banking, Railways and Other Govt Exams

Live & Recorded Classes | PDF Notes & Study Material | Mock Tests & Practice Questions | Doubt Solving Sessions

- **Expert Faculty** with Interactive Classes
- **Full Exam Syllabus Coverage + Mock Tests**
- Courses Available in Hindi, English & Regional Languages

Get Started Now

- गौतम अडानी ने मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ते हुए एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब हासिल कर लिया है। उनकी कुल संपत्ति $92.6 बिलियन है, जो अंबानी की $90.8 बिलियन की संपत्ति से ज़्यादा है। उनकी इस बढ़त की मुख्य वजह अडानी ग्रुप की कंपनियों में हुई ज़बरदस्त ग्रोथ है, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट्स और रिन्यूएबल एनर्जी के सेक्टर में। जहाँ अंबानी की संपत्ति रिलायंस इंडस्ट्रीज़ से जुड़ी है, वहीं अडानी के तेज़ी से हुए विस्तार ने अरबपतियों की रैंकिंग का पूरा नक्शा ही बदल दिया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, अब उनका नाम दुनिया के शीर्ष अरबपतियों में शुमार है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और एनर्जी ट्रांज़िशन पर भारत के बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

Appointments/Resignations

- सुनील बाजपेयी ने 10 अप्रैल, 2026 को तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए आयकर के प्रधान मुख्य आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। 1990 बैच के IRS अधिकारी, वे आयकर विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का व्यापक अनुभव रखते हैं। IIT और IIM से मिली बेहतरीन शैक्षणिक योग्यताओं के साथ, उनकी नियुक्ति कर प्रशासन, शासन और नीति कार्यान्वयन में उनकी विशेषज्ञता को दर्शाती है, जिससे इस क्षेत्र में राजस्व प्रबंधन को मजबूती मिलेगी।
- फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) ने अनंत स्वरूप को महासचिव नियुक्त किया है, जो 14 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। सार्वजनिक नीति, व्यापार और नियामक मामलों में 30 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, वे वाणिज्य विभाग और विश्व व्यापार संगठन में निभाई गई भूमिकाओं से अपनी विशेषज्ञता लेकर आए हैं। उनका नेतृत्व एक ऐसे महत्वपूर्ण समय पर आया है, जिसका उद्देश्य उद्योग और सरकार के बीच सहयोग को मजबूत करना, व्यापार वृद्धि को बढ़ावा देना और भारत के बदलते आर्थिक और व्यावसायिक परिदृश्य को समर्थन देना है।
- Infosys ने कार्लोस अल्काराज़ के साथ साझेदारी की है और उन्हें AI-आधारित स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस सॉल्यूशंस को बढ़ावा देने के लिए अपना ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। Infosys Topaz प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए, यह साझेदारी एडवांस्ड मैच एनालिटिक्स, रियल-टाइम इनसाइट्स और पर्सनलाइज़्ड ट्रेनिंग टूल्स उपलब्ध कराएगी। यह साझेदारी खेलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है, जो परफॉर्मेंस, रणनीति और निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाती है, और साथ ही ग्लोबल स्पोर्ट्स-टेक इकोसिस्टम में Infosys की मौजूदगी को भी मज़बूत करती है।

Defence News

- भारतीय नौसेना 'कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2026' की मेज़बानी करेगी। यह तीन-दिवसीय कार्यक्रम होगा जिसका उद्देश्य ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा करना, समुद्री सुरक्षा को मज़बूत करना और रणनीतियों को राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों के साथ जोड़ना है। चर्चाओं में उभरते खतरों, सुरक्षित समुद्री मार्गों और 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले सबकों को शामिल किया जाएगा, जिसमें संयुक्त सैन्य समन्वय पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सहित वरिष्ठ नेता इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, और बदलते क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच प्रौद्योगिकी-आधारित क्षमताओं तथा बेहतर नागरिक-सैन्य सहयोग पर ज़ोर देंगे।
- भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच 'अभ्यास दस्तलिक' का 7वां संस्करण 13 अप्रैल, 2026 को नमनगन क्षेत्र में शुरू हुआ। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद-रोधी अभियान, अर्ध-पहाड़ी युद्ध कौशल और दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल (इंटरऑपरेबिलिटी) को बेहतर बनाना है। भारतीय सेना और वायु सेना की भागीदारी के साथ, यह अभ्यास रक्षा सहयोग को मज़बूत करता है और मध्य एशिया के साथ भारत के बढ़ते रणनीतिक संबंधों को दर्शाता है, जिससे संयुक्त ऑपरेशनल तैयारियां और सैन्य समन्वय और भी बेहतर होते हैं।
- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और GE एयरोस्पेस ने भारत में F414 जेट इंजन को मिलकर बनाने के लिए एक अहम समझौता किया है, जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इस समझौते में टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान और स्थानीय स्तर पर उत्पादन शामिल है, ताकि अगली पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान की जा सके। यह 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों को समर्थन देता है, आयात पर निर्भरता को कम करता है, और भारत-अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को मज़बूत बनाता है। यह सहयोग भारत की हवाई शक्ति क्षमताओं को बढ़ाता है और एक मज़बूत घरेलू एयरोस्पेस इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंतरिक सुरक्षा को मज़बूत करने और रणनीतिक तालमेल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के पहले उच्च-स्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इस पहल का लक्ष्य शीर्ष नेतृत्व को एक मंच पर लाकर एक एकीकृत सुरक्षा ढांचा तैयार करना है, ताकि उग्रवाद, अतिवाद, साइबर खतरों और सीमा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटा जा सके। इसके अलावा, इस सम्मेलन में इंटेलिजेंस ब्यूरो जैसी एजेंसियों के साथ खुफिया जानकारी साझा करने और संयुक्त अभियानों को बेहतर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। कुल मिलाकर, यह सम्मेलन भारत में टेक्नोलॉजी-आधारित और समन्वित राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Awards and Recognitions

- शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में वन अधिकारी अनीता चौधरी, वन्यजीव संरक्षण और अवैध शिकार रोकने के अपने प्रयासों के लिए जानी जाती हैं। 2021 से, उन्होंने लगभग 500 जानवरों को बचाया है और अवैध शिकार करने वालों, तस्करों और अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उनके काम में मानव-वन्यजीव संघर्ष का प्रबंधन करना और लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा करना शामिल है। अपने समर्पण के लिए, उन्हें 'वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर' (WWF) की ओर से 'WWF मछली राष्ट्रीय पुरस्कार' मिला; यह पुरस्कार पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करने और ज़मीनी स्तर पर संरक्षण को प्रेरित करने में उनकी भूमिका को मान्यता देता है।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में आयोजित AIU राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2026 जीत ली, और इसके साथ ही ₹25,000, ट्रॉफियाँ और पदक भी हासिल किए। इस प्रतियोगिता में देश भर से 40 टीमों ने भाग लिया, जिसमें कानूनी शोध, वकालत और अदालत से जुड़े कौशल की परख की गई। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय इस प्रतियोगिता में उपविजेता रहा। इस प्रतियोगिता ने व्यावहारिक कानूनी प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया, जिससे छात्रों की तर्क-क्षमता, आत्मविश्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं की समझ में वृद्धि हुई।

GET IT ON Google Play

- सयानी गुप्ता को हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन द्वारा हार्वर्ड साउथ एशियन "पर्सन ऑफ़ द ईयर" 2026 पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी प्रभावशाली कहानी कहने की शैली, दमदार अभिनय और वैश्विक स्तर पर दक्षिण एशियाई प्रतिनिधित्व में उनके योगदान का जश्न मनाता है। 'फोर मोर शॉट्स प्लीज़!' और 'आर्टिकल 15' जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए जानी जाने वाली सयानी ने लगातार समावेशी कहानियों को बढ़ावा दिया है और रूढ़ियों को चुनौती दी है। विकास खन्ना (2025 के विजेता) के बाद, उनकी यह उपलब्धि कंटेंट-प्रधान सिनेमा के बढ़ते प्रभाव और वैश्विक मंच पर एक अभिनेत्री और फिल्म निर्माता, दोनों ही भूमिकाओं में उनकी उभरती हुई भूमिका को रेखांकित करती है।
- 17 अप्रैल, 2026 को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में निशिता योगेश अंतारकर को 'मिस साके इंडिया 2026' का ताज पहनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन हिरोहामा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया था। यह मंच, जो केवल एक सौंदर्य प्रतियोगिता से कहीं बढ़कर है, जापानी 'साके' संस्कृति और भारत-जापान के बीच सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देता है। एक व्यवसायी और कथक नृत्यांगना होने के नाते, निशिता इस मंच पर एक सशक्त सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करती हैं। तोशिहिरो कानेको जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति वाले इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कूटनीति और आपसी सहयोग पर विशेष ज़ोर दिया गया। इस प्रतियोगिता के विजेता सांस्कृतिक दूतों के रूप में कार्य करते हैं, जो भारत और जापान के बीच आपसी सांस्कृतिक समझ और वैश्विक मित्रता को बढ़ावा देने का काम करते हैं।

Sports News

- भारत ने एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में ज़बरदस्त प्रदर्शन किया, जिसमें सुजीत कालकल (65kg) और अभिमन्यु मांडवाल (70kg) ने गोल्ड मेडल जीते। कालकल ने 8–1 से जीत हासिल करके अपना दबदबा बनाया, जबकि मांडवाल ने एक ओलंपियन को 5–3 से हराया। भारत ने कुल 14 मेडल (2 गोल्ड, 4 सिल्वर, 8 ब्रॉन्ज़) जीते, जिससे कुश्ती में उसकी बेहतरीन काबिलियत, रणनीतिक ताकत और महाद्वीपीय स्तर पर बढ़ते दबदबे का पता चलता है।
- जानिक सिनर ने कार्लोस अल्काराज़ को हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स 2026 का खिताब जीता। यह इस टूर्नामेंट में उनका पहला खिताब था और इसके साथ ही उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1 की रैंकिंग भी दोबारा हासिल कर ली। उन्होंने सीधे सेटों में जीत (7–6, 6–3) हासिल की, और इंडियन वेल्स तथा मियामी में मिली जीतों के बाद अपनी शानदार जीत का सिलसिला जारी रखा। यह जीत उनकी बेहतरीन फॉर्म को दिखाती है, सिनर और अल्काराज़ के बीच की प्रतिद्वंद्विता को और मज़बूत करती है, और उन्हें आज के टेनिस जगत की एक बड़ी ताकत के तौर पर स्थापित करती है।
- सावन बरवाल ने 12 अप्रैल को रॉटरडैम मैराथन 2026 में 2:11:58 का समय निकालकर एक नया भारतीय मैराथन रिकॉर्ड बनाया, और शिवनाथ सिंह (1978) के 48 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ा बढ़ावा है, जो बेहतर प्रशिक्षण मानकों और बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा को दर्शाती है। बरवाल की यह उपलब्धि लंबी दूरी की दौड़ में एक नए युग का संकेत है, जो ग्रामीण भारत से उभरती प्रतिभाओं को उजागर करती है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की उपस्थिति को मजबूत करती है।
- मिचेल स्टार्क और दीप्ति शर्मा को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए विस्डेन क्रिकेटर्स अल्मनैक द्वारा 2025 के लिए 'दुनिया के अग्रणी क्रिकेटर' नामित किया गया। स्टार्क ने टेस्ट और एशेज में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि दीप्ति ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत भारत की महिला विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय खिलाड़ी शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत को भी सम्मानित किया गया, जो वैश्विक क्रिकेट में भारत के मजबूत प्रभाव को दर्शाता है।
- संजू सैमसन ने ICC Men's T20 World Cup 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए ICC Men's Player of the Month (मार्च 2026) का खिताब जीता। उन्होंने तीन मैचों में 275 रन बनाए, जिसमें मैच जिताने वाली अर्धशतकीय पारियां भी शामिल थीं; भारत को लगातार दूसरी बार खिताब जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। एक रिज़र्व खिलाड़ी से टूर्नामेंट के हीरो बनने तक, सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता, ज़ोरदार हिटिंग और दबाव में भी शांत रहने की क्षमता दिखी, जिससे उन्हें क्रिकेट जगत में विश्वव्यापी पहचान मिली।
- मेलि केर ने अपने शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए तीसरी बार ICC Women's Player of the Month (मार्च 2026) का खिताब जीता। उन्होंने ज़िम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज़ जीत में अहम भूमिका निभाई; उन्होंने वनडे मैचों में 16 विकेट लिए और T20 मैचों में भी खूब रन बनाए। कप्तान के तौर पर, केर की निरंतरता और नेतृत्व क्षमता ने न्यूज़ीलैंड महिला क्रिकेट टीम को मज़बूत बनाया है, जिससे दुनिया की शीर्ष ऑल-राउंडरों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और भी पक्की हो गई है।
- आर वैशाली ने 2026 का महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता, जिससे उन्हें महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप में जगह मिल गई। कोनेरू हम्पी के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दूसरी भारतीय महिला बन गई हैं और अब उनका मुकाबला जू वेनजुन से होगा। निचले पायदान से चैंपियन बनने तक का उनका शानदार कमबैक उनकी जुझारू क्षमता, रणनीति और वैश्विक शतरंज में भारत के बढ़ते दबदबे को दिखाता है।
- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने 2026–27 के घरेलू सीज़न से खिलाड़ियों के लिए एक व्यवस्थित कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम शुरू किया है, और ऐसा करने वाला वह भारत का पहला एसोसिएशन बन गया है। इस मॉडल में घरेलू क्रिकेटरों—खासकर IPL और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर के खिलाड़ियों—को आर्थिक स्थिरता देने के लिए ग्रेड के हिसाब से सैलरी (ग्रेड A, B, C) देने की व्यवस्था है। योग्य खिलाड़ियों को फिटनेस, रजिस्ट्रेशन और चयन के तय मानदंडों को पूरा करना होगा, और हाल-फिलहाल में उन्हें IPL या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का अनुभव नहीं होना चाहिए। BCCI से मिलने वाले भुगतान के साथ-साथ मैच फीस में भी बराबरी का भुगतान मिलने से, यह पहल खिलाड़ियों की कमाई में काफ़ी बढ़ोतरी करती है, लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रोत्साहित करती है, और भारत में घरेलू क्रिकेट के पूरे सिस्टम को मज़बूत बनाती है।
- शुभंकर शर्मा ने बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में पहले 'बोल्डर्स क्लासिक 2026' को जीतकर घरेलू गोल्फ में शानदार वापसी की। 2021 के बाद अपने पहले घरेलू टूर्नामेंट में खेलते हुए, उन्होंने ज़बरदस्त प्रदर्शन किया, जिसमें जीत पक्की करने के लिए 8-अंडर 64 का एक राउंड भी शामिल था। यह जीत प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ़ इंडिया (PGTI) में उनकी वापसी का प्रतीक है और एक शीर्ष भारतीय गोल्फर के तौर पर उनकी साख को और मज़बूत करती है। यह उपलब्धि उनकी निरंतरता, सटीकता और मज़बूत अंतरराष्ट्रीय अनुभव को उजागर करती है, जिससे यह उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गई है।

- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने रवांडा में पहले 'महिला T20I चैलेंज ट्रॉफी 2026' की शुरुआत की है, जो 18 अप्रैल से किगाली में शुरू होगी। इस पाँच-देशीय टूर्नामेंट में रवांडा, इटली, नेपाल, USA और वानुअतु की टीमें हिस्सा ले रही हैं, और यह गहांगा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। डबल राउंड-रॉबिन फ़ॉर्मेट के तहत खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट 2 मई, 2026 तक चलेगा। इस आयोजन का उद्देश्य महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देना, अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना और सुनियोजित प्रतिस्पर्धा व वैश्विक अवसरों के माध्यम से उभरते हुए क्रिकेट राष्ट्रों को मज़बूत बनाना है।

Schemes and Committees News

- भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में तनाव के बीच निर्यातकों को सहायता देने के लिए RELIEF (Resilience & Logistics Intervention for Export Facilitation) योजना का विस्तार किया है। Export Promotion Mission के तहत शुरू की गई और Export Credit Guarantee Corporation of India (ECGC) द्वारा लागू की गई यह योजना बीमा सहायता, माल ढुलाई लागत की प्रतिपूर्ति और ऋण सुविधा प्रदान करती है। अब इसमें मिस्र और जॉर्डन को भी शामिल किया गया है, जिससे प्रभावित व्यापार मार्गों तक इसका कवरेज बढ़ गया है। इस पहल का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स से जुड़ी चुनौतियों और बढ़ती बीमा लागतों को कम करना, तथा निर्यात कार्यों को सुचारू रूप से सुनिश्चित करना है; जिससे विशेष रूप से MSME और नए निर्यातकों को लाभ होगा।
- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) ने तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए AICTE-VAANI 3.0 (Vibrant Advocacy for Advancement and Nurturing of Indian Languages) की शुरुआत की है। इस योजना का उद्देश्य भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना है, ताकि छात्र जटिल अवधारणाओं को अपनी मातृभाषा में सीख सकें। इसके तहत प्रति वर्ष ₹4 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, 200 से अधिक सम्मेलनों को समर्थन दिया जाता है, और AI, साइबर सुरक्षा तथा क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में 22 क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल किया जाता है। एक बहुभाषी शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देकर, यह पहल सीखने के परिणामों, समावेशिता और अनुसंधान में भागीदारी को बेहतर बनाती है; विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो विविध भाषाई पृष्ठभूमि से आते हैं।

Science and Technology News

- जितेंद्र सिंह द्वारा घोषित SARAL AI, एक AI प्लेटफ़ॉर्म है जिसे 'अनुसंधान नेशनल रिसर्च फ़ाउंडेशन' ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य जटिल शोध पत्रों को 18 भारतीय भाषाओं में सरल और बहुभाषी सामग्री में बदलना है। यह वीडियो, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पोस्ट तैयार करता है, जिससे विज्ञान आम लोगों तक आसानी से पहुँच पाता है। इस पहल का लक्ष्य वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाना, शोध तक पहुँच को बेहतर बनाना और नवाचार तथा समाज के बीच की खाई को पाटना है; इस प्रकार यह भारत के बढ़ते शोध और नवाचार तंत्र को मज़बूती प्रदान करता है।
- एन. चंद्रबाबू नायडू ने 14 अप्रैल, 2026 को 'अमरावती क्वांटम रेफरेंस फ़ैसिलिटी' (AQRF) का शुभारंभ किया। यह भारत का पहला स्वदेशी और ओपन-एक्सेस क्वांटम कंप्यूटिंग प्लेटफ़ॉर्म है। 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस' और 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन' (DRDO) जैसे संस्थानों के सहयोग से विकसित AQRF का उद्देश्य क्वांटम शोध, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। 'राष्ट्रीय क्वांटम मिशन' के अनुरूप, यह भारत के क्वांटम तंत्र को सुदृढ़ करता है, जिससे रक्षा, स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्रों में उन्नत अनुप्रयोगों को संभव बनाया जा सकता है।
- ऑस्ट्रेलिया में एक सदी से भी ज़्यादा समय के बाद 'नाइट पैरेट' (Night Parrot) को फिर से खोजा गया है, जो एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि है। ऑडियो रिकॉर्डर, कैमरा ट्रैप और स्थानीय लोगों के ज्ञान का इस्तेमाल करके, शोधकर्ताओं ने सूखे इलाकों में इसकी मौजूदगी की पुष्टि की। यह पक्षी रहने और ज़िंदा रहने के लिए पूरी तरह से उगी हुई स्पिनिफेक्स घास पर निर्भर रहता है। हालाँकि, जंगल की आग और आवारा बिल्लियों जैसे खतरों से इसे लगातार खतरा बना हुआ है, जबकि डिंगो (Dingo) इसे खाने वाले जानवरों को काबू करने में मदद कर सकता है। इस प्रजाति के सिर्फ़ 50 के करीब पक्षी ही पहचाने गए हैं, इसलिए यह अभी भी बहुत ज़्यादा खतरे में है और इसे बचाने के लिए तुरंत कोशिशों की ज़रूरत है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (IIT) खड़गपुर ने AI-आधारित भूवैज्ञानिक और खनन प्रणालियों के लिए 'विक्रम सोढ़ी सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' शुरू किया है, जिसे पाँच सालों में ₹15 करोड़ की फंडिंग मिली है। इस पहल का मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा-आधारित इनोवेशन के ज़रिए भारत के खनन क्षेत्र में बदलाव लाना है। उद्योग जगत के सहयोग से, यह सेंटर खनन की पूरी प्रक्रिया पर ध्यान देगा, जिसमें खोज, योजना, प्रोसेसिंग और ESG विश्लेषण शामिल हैं। इसका मकसद कार्यक्षमता, फ़ैसले लेने की क्षमता और स्थिरता को बेहतर बनाना है, साथ ही खनन तकनीक में मौजूद कमियों को दूर करना और भारत में एकीकृत, स्मार्ट खनन समाधानों को बढ़ावा देना है।

Important Days News

- भारत 13 अप्रैल को जलियांवाला बाग हत्याकांड की याद मनाता है, और अमृतसर में 1919 की इस दुखद घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देता है। रॉलेट एक्ट के विरोध में हुए प्रदर्शनों के चलते, जनरल रेजिनाल्ड डायर ने निहत्थे नागरिकों पर गोली चलाने का आदेश दिया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। इस घटना ने स्वतंत्रता संग्राम को और तेज़ कर दिया, और महात्मा गांधी जैसे नेताओं को प्रेरित किया। आज, यह स्मारक बलिदान, औपनिवेशिक क्रूरता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनकर खड़ा है, जो आने वाली पीढ़ियों को भारत की आज़ादी की यात्रा की याद दिलाता है।
- भारत 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती मनाता है, और संविधान के निर्माता तथा सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रबल समर्थक बी. आर. अंबेडकर को सम्मानित करता है। 1891 में जन्मे अंबेडकर ने जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी और दलितों के अधिकारों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए काम किया। देश के पहले कानून मंत्री और मसौदा समिति के अध्यक्ष के तौर पर, उनके योगदान ने आधुनिक भारत को आकार दिया। यह दिन समावेश, मानवीय गरिमा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है, और नागरिकों को एक न्यायपूर्ण तथा समतावादी समाज के उनके दृष्टिकोण को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

- भारत 14 अप्रैल, 2026 को बैसाखी मनाएगा। यह त्योहार फसल के मौसम, पंजाबी नव वर्ष और 1699 में गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है। इस त्योहार का गहरा सांस्कृतिक, कृषि और धार्मिक महत्व है, खासकर सिख समुदाय के लिए। इस उत्सव में गुरुद्वारों में प्रार्थना, नगर कीर्तन और लंगर शामिल होते हैं। यह कृतज्ञता, एकता, समानता और नई शुरुआत का प्रतीक है, जो भारत की समृद्ध विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं को दर्शाता है।
- भारत 14 अप्रैल, 2026 को पुथांडु मनाएगा। यह त्योहार तमिल कैलेंडर की शुरुआत का प्रतीक है, जब सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है। तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर मनाया जाने वाला यह त्योहार नई शुरुआत, समृद्धि और आशा का प्रतीक है। इसकी परंपराओं में 'कन्नी' देखना, मंदिरों में प्रार्थना करना और 'मैंगो पचड़ी' बनाना शामिल है, जो जीवन के विभिन्न भावों को दर्शाते हैं। प्राचीन तमिल संस्कृति में गहरी जड़ें जमाए यह त्योहार पारिवारिक बंधनों, सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत करता है, और आने वाले वर्ष के लिए सकारात्मकता को बढ़ावा देता है।
- भारत 14 अप्रैल, 2026 से बोहाग बिहू मनाएगा, जो असमिया नव वर्ष और वसंत के आगमन का प्रतीक है। इसे रोंगाली बिहू भी कहा जाता है; यह कृषि के नए चक्र, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है। असम में बड़े पैमाने पर मनाए जाने वाले इस त्योहार में बिहू नृत्य, संगीत, 'गोरू बिहू' और 'मानुह बिहू' जैसी रस्में और सामूहिक भोज शामिल होते हैं। प्राचीन परंपराओं से जुड़ा यह त्योहार सांस्कृतिक पहचान, प्रकृति के साथ तालमेल और सामाजिक एकता को दर्शाता है, जिससे यह पूर्वोत्तर भारत के सबसे जीवंत त्योहारों में से एक बन जाता है।
- भारत 15 अप्रैल, 2026 को पोहेला बोइशाख मनाएगा, जो बंगाली वर्ष 1433 की शुरुआत का प्रतीक है। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर मनाए जाने वाला यह त्योहार नई शुरुआत, सांस्कृतिक एकता और समृद्धि का प्रतीक है। समारोहों में पारंपरिक वेशभूषा, 'हाल खाता' की रस्में, प्रार्थनाएं, संगीत और मिठाइयों व हिलसा मछली के व्यंजनों जैसे पारंपरिक भोजन शामिल होते हैं। मुगल-युग की परंपराओं से जुड़ा यह त्योहार बंगाल की समृद्ध विरासत को दर्शाता है और दुनिया भर में फैले बंगाली समुदायों के बीच खुशी, एकजुटता और नई ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- भारत 15 अप्रैल, 2026 को 'हिमाचल दिवस' मनाएगा। यह दिन 1948 में चंबा और मंडी जैसी रियासतों के विलय से हिमाचल प्रदेश के गठन की याद दिलाता है। यह दिन इस क्षेत्र की 'चीफ़ कमिश्नर प्रांत' से 1971 में पूर्ण राज्य का दर्जा पाने तक की यात्रा को दर्शाता है। यह एकता, प्रशासनिक विकास और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इस अवसर पर परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सार्वजनिक समारोह आयोजित किए जाते हैं, जो शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में राज्य की प्रगति को दर्शाते हैं।
- 16 अप्रैल, 2026 को 'विश्व स्वर दिवस' (World Voice Day) मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य संचार, अभिव्यक्ति और संगीत में मानवीय आवाज़ के महत्व को उजागर करना है। वर्ष 2026 का विषय "हमारी आवाज़ों की देखभाल" (Caring for Our Voices) है, जो स्वर-स्वास्थ्य, रोगों के शीघ्र निदान और स्वर-विकारों की रोकथाम पर केंद्रित है। 1999 में 'ब्राज़ीलियाई स्वर दिवस' के रूप में शुरू हुई यह पहल अब एक वैश्विक अभियान का रूप ले चुकी है, जो शिक्षकों और गायकों जैसे पेशेवरों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देती है। यह दिन शरीर में पर्याप्त जल-स्तर बनाए रखने (हाइड्रेशन), आवाज़ की उचित देखभाल और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने पर ज़ोर देता है, तथा लोगों को दैनिक जीवन के इस अत्यंत महत्वपूर्ण साधन की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है।
- विश्व हीमोफीलिया दिवस 17 अप्रैल, 2026 को हीमोफीलिया और खून बहने से जुड़ी वंशानुगत बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। 2026 की थीम, "निदान: देखभाल की ओर पहला कदम" (Diagnosis: First Step to Care), प्रभावी इलाज के लिए बीमारी का जल्दी पता लगाने के महत्व पर ज़ोर देती है। दुनिया भर में अभी भी कई मामलों का निदान नहीं हो पाया है, इसलिए यह दिन बेहतर निदान सुविधाओं, जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच की ज़रूरत को उजागर करता है। जागरूकता अभियान और "लाइट इट अप रेड" (Light It Up Red) जैसे प्रयास सहयोग को बढ़ावा देते हैं, जिनका उद्देश्य दुनिया भर में मरीज़ों की देखभाल और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।
- विश्व विरासत दिवस, जो 18 अप्रैल को मनाया जाता है, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है। 2026 की थीम, "संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया" (Emergency Response for Living Heritage in Contexts of Conflicts and Disasters), संकट के समय जीवित परंपराओं, रीति-रिवाजों और ज्ञान प्रणालियों को सुरक्षित रखने की ज़रूरत पर ज़ोर देती है। UNESCO और इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (ICOMOS) के नेतृत्व में, यह दिन तत्काल संरक्षण प्रयासों पर ज़ोर देता है। जलवायु परिवर्तन, आपदाओं और संघर्षों जैसे बढ़ते खतरों के बीच, विरासत की सुरक्षा यह सुनिश्चित करती है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मानवीय पहचान, संस्कृति और विरासत सुरक्षित रहे।

Obituaries News

- महान गायिका आशा भोसले का 12 अप्रैल, 2026 को मुंबई में 92 वर्ष की आयु में कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण निधन हो गया; इसके साथ ही आठ दशकों के एक संगीतमय युग का अंत हो गया। कम उम्र में ही अपने करियर की शुरुआत करने वाली आशा भोसले को 'नया दौर' (1957) से प्रसिद्धि मिली और वे कैबरे, ग़ज़ल और शास्त्रीय संगीत जैसी विभिन्न शैलियों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने लगीं। पद्म विभूषण, दादा साहब फाल्के पुरस्कार और गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित, वे अपने पीछे एक बेजोड़ वैश्विक संगीत विरासत छोड़ गई हैं।

Static Takeaways

पहलू (Aspect)	विवरण (Details)
बिहार	मुख्यमंत्री: सम्राट चौधरी राज्यपाल: आरिफ मोहम्मद खान
कर्नाटक	मुख्यमंत्री: सिद्धारमैया राज्यपाल: थावर चंद गहलोत
मेघालय	मुख्यमंत्री: कॉनराड संगमा
पंजाब	मुख्यमंत्री: भगवंत मान राज्यपाल: गुलाब चंद कटारिया
अमेरिका (USA)	राष्ट्रपति: डोनाल्ड ट्रम्प मुद्रा: अमेरिकी डॉलर (USD)
यूनाइटेड किंगडम	प्रधानमंत्री: कीर स्टार्मर मुद्रा: पाउंड स्टर्लिंग
फ्रांस	राष्ट्रपति: इमैनुएल मैक्रों मुद्रा: यूरो
भारतीय रिज़र्व बैंक	गवर्नर: संजय मल्होत्रा
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद	चेयरमैन: जय शाह
इज़राइल	प्रधानमंत्री: बेंजामिन नेतन्याहू
बैंक ऑफ बड़ौदा	एमडी एवं सीईओ: देबदत्त चांद
अदाणी समूह	चेयरमैन: गौतम अडानी
रिलायंस इंडस्ट्रीज़	चेयरमैन: मुकेश अंबानी

Adda247 LIVE CLASSES

Online LIVE Classes for SSC, Banking, Railways and Other Govt Exams

- Live & Recorded Classes
- PDF Notes & Study Material
- Mock Tests & Practice Questions
- Doubt Solving Sessions

- **Expert Faculty** with Interactive Classes
- Full Exam Syllabus Coverage + Mock Tests
- Courses Available in Hindi, English & Regional Languages

Get Started Now